MPSACS

रेड रिबन क्लब

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल

रेड रिबन से आशय –

- रेड रिबन एक प्रतीक चिन्ह है – जो HIV/AIDS के विरूद्ध संघर्षरत लोगों की एकता को दर्शाता है।
- रेड रिबन प्यार का सूचक है – सभी HIV+ लोगो के प्रति सहानुभूति एवं प्यार व्यक्त करता है।
- रेड रिबन रक्त का सूचक है – उस व्यथा को व्यक्त करता है जो HIV /AIDS के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए है।
- रेड रिबन नाराजगी का प्रतीक है – HIV+ के विरूद्ध हम अभी तक उपचार की खोज नहीं कर सके।
- रेड रिबन चेतावनी का प्रतीक है – वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या से जिसके प्रति हम लापरवाह या उपेक्षित नहीं बन सकते।
- रेड रिबन एचआईवी/एड्स के साथ जीवन जी रहे व्यक्तिों द्वारा महसूस की गई पीड़ा का प्रतीक हैं।

एचआईवी/एड्स की स्थिति –

विश्व परिदृश्य (यूएनएड्स रिपोर्ट) –

- लगभग 3 करोड़ 40 लाख लोग एचआईवी/एड्स से संक्रमित
- लगभग 27 लाख नए संक्रमण वर्ष 2010 में
- लगभग 18 लाख लोगो की मृत्यु वर्ष 2010 । 2008 में 29 लाख थी

भारत में –

- एचआईवी/एड्स से संक्रमित संभावित व्यक्ति 23,95,424
- लगभग 1,20,668 नए संक्रमण प्रति वर्ष
- लगभग 1,72,041 लाख लोगो की मृत्यु प्रति वर्ष

मध्यप्रदेश में –

- 25,488 व्यक्ति पॉजीटिव
- 7,147 एआरटी पर
- 20103 रजिस्टर्ड
- 59.66 प्रति. पुरूष, 39.71 प्रति. महिलाएँ एवं 0.63 ट्रासजेण्डर
- 25– 49 वर्ष के आयु समूहो में लगभग 75 प्रति. संक्रमन है।
- वर्ष 2005 से जून 2010 तक लगभग 2138 संक्रमित व्यक्तियों की मृत्यु हुई है।

अफ्रीका के कुछ देशों में जहाँ यह महामारी फैली है –

- वहां कोई स्कूल नहीं जाता।
- वहां खेत खाली पड़े हैं।
- कारखाने बंद हैं।
- बैंक बंद हो रहे हैं।
- वहां जवान, काम करने वाली पीढ़ी खत्म हो रही हैं।
- बस कुछ बूढ़े और बच्चे ही कुल जनसंख्या का मुख्य भाग हैं।
- कुछ बच्चे मां के गर्भ से ही एच आई वी संक्रमित हैं।

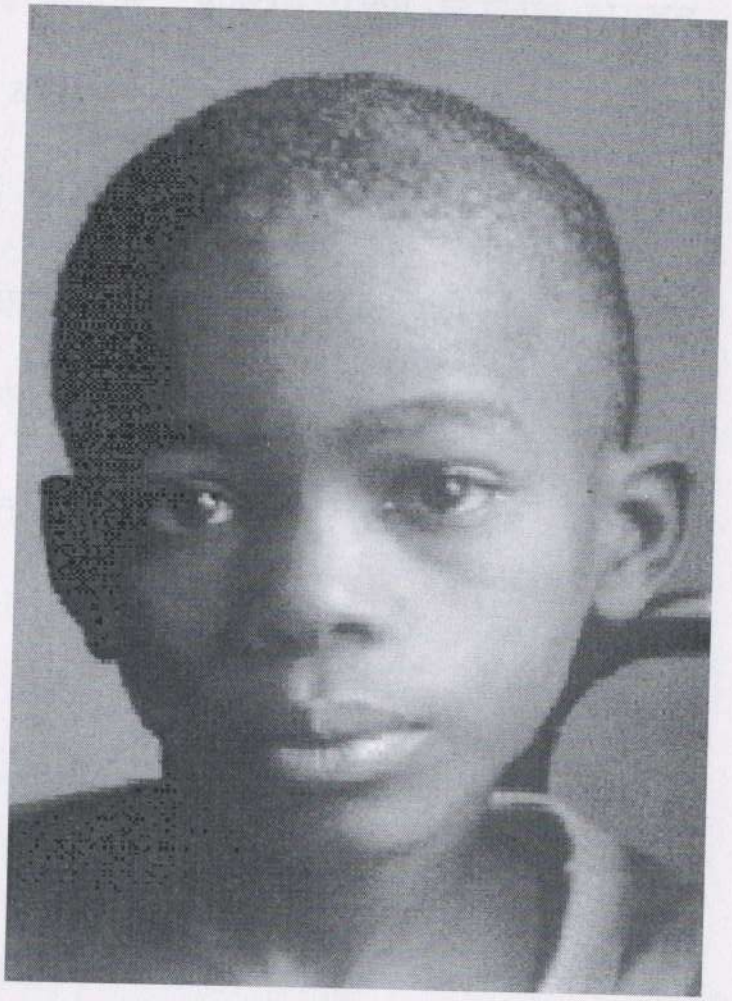

रेड रिबन क्लबों की आवश्यकता ?

युवाओं में तेजी से फैल रहे HIV/AIDS को ध्यान में रखकर **"राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, नई दिल्ली"** (NACO) ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर एक कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया।

जिसमें HIV/AIDS के बारे में युवाओं को जागरूक करने के लिये विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं में युवाओं का एक श्रृंखला तैयार की जा सके। जिससे .....

युवाओं को HIV/AIDS से बचाव हेतु जानकारी युक्त कार्यक्रम संचालित करना एवं स्वैच्छिक रक्तदान को बड़ावा देकर रक्त सुरक्षा को सुनिश्चित करना।

रेड रिबन क्लब का ढाँचा

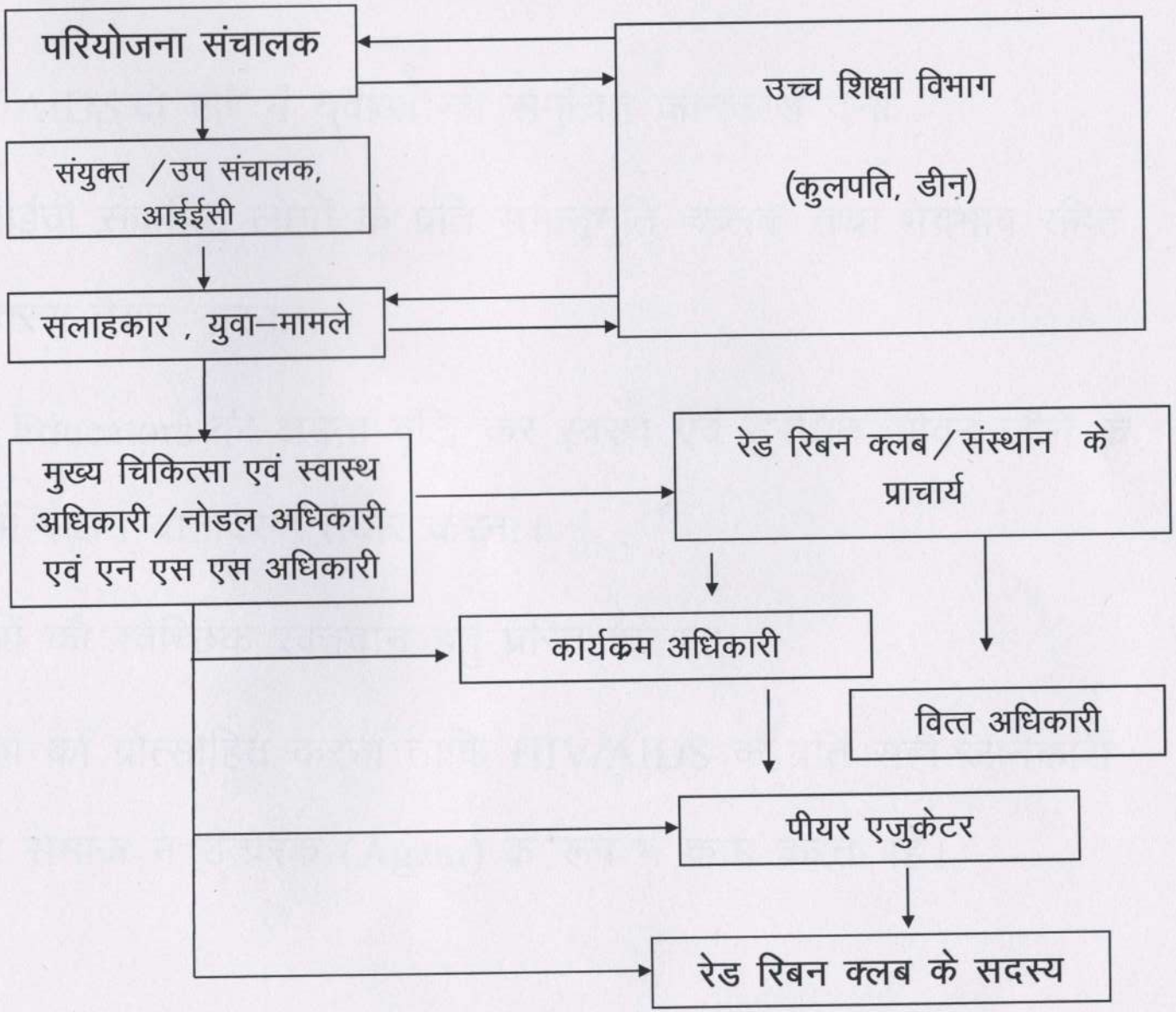

रेड रिबन क्लब का उद्देश्य –

- HIV/AIDS के बारे में युवाओं को समुचित जानकारी देना
- एचआईवी संक्रमित लोगों के प्रति समानुभूति, कलंक तथा भेदभाव रहित वातावरण तैयार करना
- Peer Educators की क्षमता वृद्धि कर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन जीने के बारे में सक्षम वातावरण तैयार करना।
- युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान हेतु प्रेरित करना।
- युवाओं को प्रोत्साहित करना ताकि HIV/AIDS के प्रति सही जानकारी लेकर समाज में उत्प्रेरक (Agent) के रूप में काम करते रहें।

रेड रिबन क्लब का कर्तव्य –

- HIV/AIDS, STI, यौन व्यवहार तथा सम्बंधित मुद्दों पर युवाओ के बीच जागरूकता बढ़ाना।
- युवाओं को (विशेषतः युवतियों को) सशक्त करना ताकि वह शोषन एवं शोषित होने की स्थिति को पहचाने एवं उस स्थिति से बच सके।
- संक्रमित लोगो के प्रति युवाओं में मदद एवं सहयोग की भावना पैदा करना।
- युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान के लिये प्रेरित कर रक्तदान शिविर आयोजित और संचालित करना।
- युवाओं का एक समूह Peer Educator के रूप में तैयार करना
- साथ ही साथ क्लब का स्थायित्व सुनिश्चित करना।

क्लब के कार्यक्रम अधिकारी –

- यह अधिकारी महाविद्यालय के अध्यापक होंगे जो एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी के रूप में मनोनीत हैं।
- जिन शिक्षण संस्थाओं में एन.एस.एस. मौजूद नहीं है वहां पर उच्च अधिकारी एक अध्यापक को इस हेतु मनोनीत कर सकते है।
- कार्यक्रम अधिकारी, जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी या अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेंगे।
- यह अधिकारी स्वैच्छिक रूप से कार्यरत लोगों के माध्यम से शिक्षण संस्थाओं में क्लब के सदस्यों व अन्य युवाओं तक अपनी पहुँच बनाऐंगे।

शिक्षा विभाग के अधिकारी का उत्तरदायित्व –

- क्लब के गठन व गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करना।
- महाविद्यालय के नियमित गतिविधियों/कार्यक्रमों में रेड रिबन क्लब एवं एच. आई.वी–एड्स के कार्यक्रमो को शामिल कराना।
- क्लब के स्थायित्व हेतु महाविद्यालय में उच्च स्तरीय बैठक करना।
- क्लब हेतु प्रस्तावित गतिविधियों/कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करना।
- महाविद्यालय की पत्रिका व अन्य प्रकाशनों में क्लब के सदस्यों के योगदान को प्रकाशित कर उनको प्रोत्साहित करना।

स्वास्थ विभाग के अधिकारी का उत्तरदायित्व –

- क्लब के गठन व गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु समय पर बजट एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि महाविद्यालय के नियमित गतिविधियों/कार्यक्रमों में रेड रिबन क्लब एवं एच.आई.वी–एड्स की गतिविधियॉ शामिल हो रही है।
- क्लब के स्थायित्व हेतु समय–समय पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करना।
- क्लब हेतु प्रस्तावित गतिविधियों/कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करना।
- क्लब के कार्यक्रमो की सतत् मॉनिटरिंग एवं सपोर्टिव सुपरविजन सुनिश्चित करना।
- समय पर MPSACS को भौतिक एवं वित्तीय रिपोर्ट प्रदान करना।

रेड रिबन क्लब का सदस्य –

- महाविद्यालय/संस्था के वह युवा जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच के हो।
- रेड रिबन क्लब के सदस्य के रूप में पंजीकृत हों।
- एच.आई.वी./एड्स, स्वैच्छिक रक्तदान और इनसे संबंधित मुद्दों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त करना।
- क्लब की गतिविधियों हेतु संसाधन जुटाना।
- नारे, पोस्टर, लोगो, हैण्डबिल संदेश, गीत, नाटक इत्यादि तैयार करना।
- महाविद्यालय/संस्था के परिसर व उसके बाहर भी प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।
- अन्य युवा साथियों को भी क्लब के उद्देश्य व गतिविधियों से अवगत कराना।
- युवाओं के बीच **Peer Educator** के रूप में कार्य करना।
- स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना तथा साथियों को रक्तदान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
- एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में युवाओं को बताना।

प्रति रेड रिबन क्लब हेतु प्रस्तावित गतिविधियॉ एवं बजट विवरण –

सं.	प्रति इकाई गतिविधि	विवरण	स्वीकृत राशि	व्यय की गई राशि
1.	रेड रिबन क्लबों की स्थापना	रजिस्टर / रिकार्ड / स्टेशनरी / मीटिंग / रिपोर्ट / यात्रा भाड़ा आदि हेतु	2500 / –	
2.	प्रश्न बाक्स एवं RRC बोर्ड	महाविद्यालय / संस्थान परिसर में लगाई जावे।		
3.	महाविद्यालय की नियमित गतिविधि – • महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव • एन.एस.एस. दिवस • एन.सी.सी. दिवस जैसे विशेष अवसरों पर रक्त दान एवं अन्य कार्यक्रमो का आयोजन।	इस अवसर पर महाविद्यालय की निर्धारित गतिविधियों में एचआईवी–एड्स की गतिविधियॉ को शामिल किया जावे।		

प्रति रेड रिबन क्लब हेतु प्रस्तावित गतिविधियॉ एवं बजट विवरण –

	प्रति इकाई गतिविधि	विवरण	स्वीकृत राशि	व्यय की गई राशि
4.	**संस्था में विशेष दिवसो में कार्यक्रम का अयोजन** जैसे – • विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) • नशा निरोधक दिवस (26 जून) • स्वैच्छिक रक्तदान दिवस (01 अक्टुबर), • विश्व एड्स दिवस, (01 दिसम्बर) • राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनबरी) • महिला दिवस (08 मार्च)	• रैली, तकनीकी सत्र, क्विज प्रतियोगिता, पोष्टर प्रतियोगिता, नारे लेखन, स्लोगन लेखन, प्रतियोगिता, सेमिनार, प्रदर्शनी आदि ... • बैनर, फोटोग्राफ, रिपोर्ट, अल्पाहार और अन्य व्यय गतिविधि के लिए।		
5.	**रक्तदान शिविर का आयोजन करना**	कार्यक्रम की व्यवस्था के अनुसार ब्लड बैग, संबंधित अन्य वस्तुऍं एवं साधन नजदीकी ब्लड बैंक से लिए जाऍं।		व्यय सम्बंधित ब्लड बैंक से किया जा सकता है।
	कुल (दो हजार पॉच सौ मात्र)	**प्रति इकाई के लिए**	**2500.00**	

अन्य गतिविधियां –

- प्रत्येक क्लब में एक पीयर एजुकेटर का समूह तैयार करना।
- पीयर एजूकेटरो के माध्यम से शेष छात्र–छात्राओं के बीच चर्चा करना।
- एच.आई.वी. एड्स, जेण्डर, नशा इत्यादि पर जागरूकता सत्र/वाद–विवाद प्रतियोगितायें, पोस्टर, नारे,/सेमिनार/प्रदर्शनी/रैली/समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित करना।
- स्वैच्छिक रक्तदान हेतु तकनीकी सत्र एवं कैम्प आयोजित करना।
- पीयर एजुकेटर्स हेतु प्रशिक्षण।
- विश्व एड्स दिवस, युवा दिवस, स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, महिला दिवस, विश्व रक्तदाता दिवस, नशा निरोधक दिवस में कार्यक्रम आयोजित करना।
- संक्रमित लोगो को कार्यक्रम के दौराण स्त्रोम व्यक्ति के रूप में आमंत्रित करना।
- आई.सी.टी.सी., सी.सी.सी., ड्राप–इन सेन्टर, ब्लड बैंक पर एक्सपोजर विज़िट।
- प्रत्येक आर आर सी में एक Question Box एवं RRC Board लगवाना।

निरंतर .....

निम्न गतिविधियों को भी शामिल किया जा सकता है :

- पब्लिक मीटिंग
- अन्तर्गत महाविद्यालयीन प्रतियोगिताएं
- सांस्कृतिक कार्यक्रम (नुक्कड़ नाटक, मोनो एक्टिंग, कव्वाली, कठपुतली इत्यादि)
- जानी–मानी हस्तियों को बुलाना
- माहाविद्यालय की सूचना पठ का उपयोग करना, पत्र पेटिका, दीवार लेखन कैण्डल/सायकल रैली
- विशेष अवसरो पर स्थानीय केबल का उपयोग करना।
- नये प्रतिभागियों का अभिमुखीकरण
- महाविद्यालय के अन्य कार्यक्रमों में – एच.आई.वी./एड्स पर विज्ञापन, आडियो–विजुअल, पोस्टर पैनल, स्टाल इत्यादि स्थापित करना।
- परिस्थिति अनुसार अन्य गतिविधियॉ आयोजित की जा सकती है।

रेड रिबन क्लब द्वारा तैयार की गई बोर्ड –

प्रश्न पेटी –

- एचआईवी–एड्स से सम्बंधित जिज्ञासा हेतु अपना प्रश्न पेटी में डाले
- प्रत्येक माह के निर्धारित दिनांक /दिवस को प्रश्न पेटिका खोलकर विशेषज्ञो द्वारा आपके प्रश्नो के उत्तर दिये जायेंगे